प्रारम्भिक संबोधन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा के इस नवम सत्र में मैं आपका स्वागत करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र में कुल पाँच बैठकें निर्धारित हैं । इसमें प्रश्न एवं लोक महत्व की सूचनाओं के साथ-साथ वित्तीय कार्य, राजकीय विधेयक तथा गैर सरकारी संकल्प लिए जाएंगे। प्रश्नों के शत-प्रतिशत उत्तर प्राप्ति के लिए प्रयास किए गए हैं और उम्मीद है कि इस सत्र में भी सरकार के संबंधित विभागों के द्वारा सभी प्रश्नों के उत्तर ससमय प्राप्त होंगे ।

आपसबों से आग्रह है कि बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के तहत अपनी बातों को सदन में रखें । सरकार हर विषय में उत्तर देने के लिए बाध्य होगी । यह संसदीय प्रणाली की खास विशेषता है कि कार्यपालिका सदन के प्रति जवाबदेह होती है ।

माननीय सदस्यगण, स्वतंत्रता मिलने पर हमलोगों ने लोकतंत्र के लिए संसदीय प्रणाली को अपनाया । वयस्क मताधिकार से प्रतिनिधि शासन व्यवस्था में सामान्य जन की सक्रिय भागीदारी बढ़ी । इस प्रणाली की आलोचना भी कम नहीं होती है । आलोचकों ने हमेशा इस पर आपत्ति व्यक्त किया है कि इस व्यवस्था में अधिकांश लोग इतने अज्ञानी, अशिक्षित और अदूरदर्शी होते हैं कि वे सार्वजनिक नीतियों के निर्धारण में भाग लेने के योग्य नहीं माने जा सकते हैं, जबकि समय ने जवाब दिया है कि सामान्य जनता समझदार होती है । उसे परिस्थिति को समझने में भले देर लगता हो लेकिन वह जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा करने में पूरी तरह सक्षम होती हैं । वे सामाजिक जीवन को प्रभावित करने वाले राजनीतिक निर्णयों को अपने अनुकूल पलटने की क्षमता रखती हैं और उनके निर्णयों का सामाजिक परिवर्त्तन की दिशा में दूरगामी असर भी होता है ।

मेरा आपसबों से अनुरोध है कि इस छोटे से सत्र में सदन के समय का भरपूर उपयोग करें और सदन के माध्यम से आम जनता की तकलीफों को दूर करें ।

मुझे आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि इस सत्र के सफल संचालन में आप सभी माननीय सदस्यों का सकारात्मक सहयोग निरंतर प्राप्त होगा ।

❁❁❁❁❁